दीक्षा समारोह में 542 छात्रों को मिली डिग्री, अब भरेंगे उड़ान...

आइआइएम के 12वें दीक्षा समारोह में बोले निदेशक- जीने के तरीके के लिए आसपास के वातावरण के साथ संबंध विकसित करें

जासं, रांची : मौका था, भारतीय प्रबंधन संस्थान (आइआइएम) के 12वें दीक्षा समारोह का। कार्यक्रम का आयोजन स्वामी विवेकानंद आडिटोरियम में हुआ। मुख्य अतिथि राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश के अलावा अध्यक्ष और सदस्य, बोर्ड आफ गवर्नर्स, निदेशक, संकाय, कर्मचारी और आइआइएम के स्नातक छात्र उपस्थित थे। समारोह की शुरुआत शैक्षणिक जुलूस से हुई, जिसके बाद मंगलाचरण हुआ। इसमें 542 छात्र छात्राओं को विभिन्न प्रोग्राम में बेहतर प्रदर्शन के लिए डिग्री प्रदान की गई। इसमें वर्ष 2021-23 बैच के छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया। जिसमें एमबीए के 396 छात्र छात्राएं, एमबीए एचआरएम 69, एमबीए-बीए 34, एग्जीक्यूटिव एमबीए 37, पीएचडी 3, एग्जीक्यूटिव-पीएचडी के 3 छात्र छात्राओं को डिग्री प्रदान की गई। आइआइएम रांची के निदेशक दीपक श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया।

इस दौरान निदेशक ने सभी स्नातक छात्रों को सलाह दी कि वे दैनिक दिनचर्या में स्थाई अभ्यास को शामिल करें और जीवन जीने के अधिक टिकाऊ तरीके को बढ़ावा देने के लिए आसपास के वातावरण के साथ संबंध विकसित करें। उन्होंने मन की बात अनुसंधान पहल, वंचित छात्रों के लिए एक छात्रवृत्ति कार्यक्रम, एएएससीबी मान्यता, यंग चेंजमेकर कार्यक्रम और जनजातीय मामलों के बारे में सीखने पर एक अनिवार्य पाठ्यक्रम की शुरूआत के बारे जानकारी दी। हवाई अड्डे पर एक सामुदायिक पुस्तकालय का उदघाटन 8 एमजीएनएफ कौशल कान्क्लेव के बारे भी बताया।

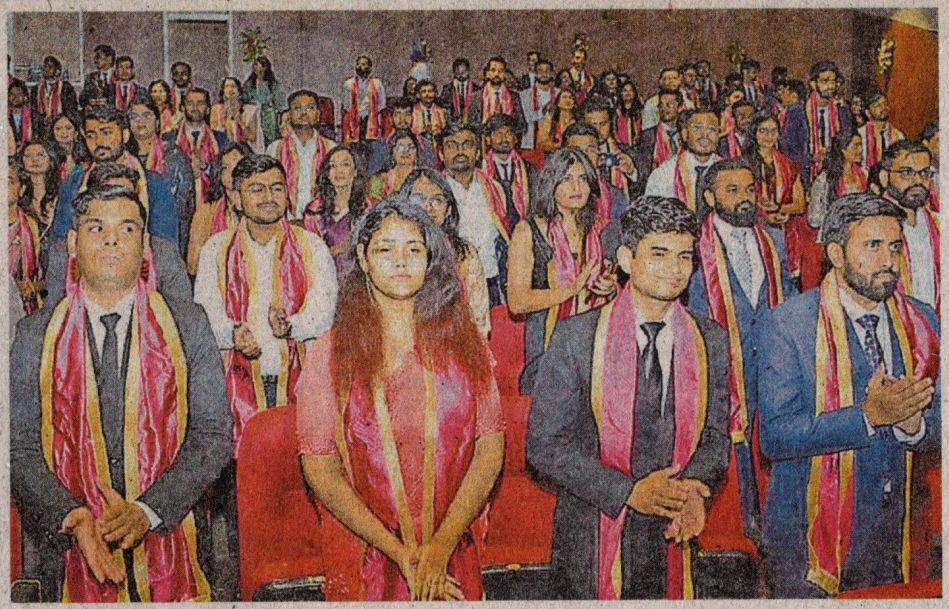

आइआइएम के स्वामी विवेकानंद आडिटोरियम में आयोजित दीक्षा समारोह में शामिल विद्यार्थी • जागरण

यह पीढ़ी नौकरी सृजनकर्ताओं व प्रदाताओं की : उप सभापति

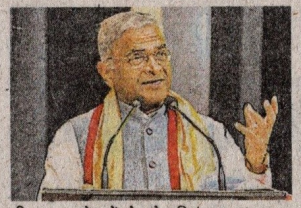

दीक्षा समारोह में बोलते हरिवंश।

राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने देश में युवा नेतृत्व के विकास के महत्व के बारे में बात की और जोर दिया कि यह पीढ़ी नौकरी सृजनकर्ताओं और प्रदाताओं की है न कि नौकरी चाहने वालों की। तैत्तिरीय उपनिषद के अंशों का हवाला देते हुए, जिसमें आचार्य से लेकर विद्यार्थी तक की अंतिम सलाह के साथ-साथ स्टीव जाब्स, जेके राउलिंग और शेरिल सैंडबर्ग जैसी प्रतिष्ठित हस्तियों के प्रेरक उद्धरणों की बात की गई थी, इसके बाद वह आइआइएम, इसके विशाल और शानदार पूर्व छात्रों के कद की ओर बढ़ गए। उन्होंने मन की बात और ह्यूमैन कनेक्ट इनिशिएटिव के प्रभाव के साथ साथ सांस्कृतिक विरासत और समावेशिता की समझ के साथ पूर्ण व्यक्तियों का पोषण करने और उन्हें तैयार करने में भारत की जनजातियों पर अनिवार्य पाठ्यक्रमों पर जोर दिया। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, इंटरनेट आफ थिंग्स, रोबोटिक्स द्वारा संचालित वर्तमान तकनीकी युग की जटिलताओं के माध्यम से आगे बढ़ने और नेविगेट करने के संबंध में युवाओं को जानकारी हासिल करने की सलाह दी।

- स्वामी विवेकानंद आडिटोरियम में दिखा उत्सवी माहौल
- समारोह में वर्ष 2021-23 बैच के विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

बताई आइआइएम की भूमिका

बोर्ड आफ गवर्नर्स के अध्यक्ष प्रवीण शंकर पंड्या ने पिछले कुछ वर्षों में संस्थान के उल्लेखनीय प्रगति की जानकारी दी। भविष्य के नेताओं को आकार देने में आइआइएम की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। पर्यावरणीय मुद्दों के प्रति अधिक संवेदनशील और स्थिरता और वैश्विक चुनौतियों के प्रति सक्रिय रूप से योगदान करने के लिए प्रोत्साहित किया। देश की अर्थव्यवस्था द्वारा प्रस्तुत प्रचुर अवसरों का लाभ उठाने का आग्रह किया।

इन्हें मिला सम्मान

एमबीए 2021-23 बैच

- प्रथम स्थान पाने के लिए बोर्ड आफ गवर्नर के अध्यक्ष का पदक और योग्यता प्रमाण पत्र आशिक आनंद (सीजीपीए 9.24) को दिया गया। उनका नाम वर्ष 2023 के लिए संस्थान के आनर रोल में शामिल किया गया है
- दूसरे स्थान पर रहने के लिए निदेशक पदक और योग्यता प्रमाण पत्र हर्षवर्द्धन नागेलिया (सीजीपीए 8.95) को दिया गया। उनका नाम वर्ष 2023 के लिए संस्थान के आनर रोल में भी शामिल किया गया
- तीसरे स्थान पर रहने के लिए कार्यक्रम अध्यक्ष का पदक और योग्यता प्रमाण पत्र पल्लवी (सीजीपीए 8.71) को दिया गया
- चौथे स्थान पर रहने के लिए पुस्तक पुरस्कार गुरनाज कौर गिल (सीजीपीए 8.5) को दिया गया
- पांचवें स्थान पर रहने के लिए पुस्तक पुरस्कार सृजन गर्ग (सीजीपीए 8.39) को दिया गया।

एमबीए-एचआरएम 2021-23 बैच

- प्रथम स्थान पाने के लिए बोर्ड आफ गवर्नर के अध्यक्ष का पदक व योग्यता प्रमाण पत्र पल्लवी सिंह (सीजीपीए 8.7) को दिया गया
- दूसरे स्थान पर रहने के लिए निदेशक पदक और योग्यता प्रमाण पत्र साक्षी रांका (सीजीपीए 8.64) को दिया गया
- तीसरे स्थान पर रहने के लिए कार्यक्रम अध्यक्ष का पदक और योग्यता प्रमाण पत्र चिन्मय झा (सीजीपीए 8.20) को दिया गया
- चौथे स्थान पर रहने के लिए पुस्तक पुरस्कार अजय यादव (सीजीपीए 8.07) को दिया गया
- पांचवें स्थान पर रहने के लिए पुस्तक पुरस्कार सोनम पात्रा (सीजीपीए 8.07) को दिया गया।

एमबीए-बीए 2021-23 बैच

- प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए बोर्ड आफ गवर्नर के अध्यक्ष का पदक और योग्यता प्रमाण पत्र सतीश रविशंकर (सीजीपीए 8.66) को दिया गया
- दूसरे स्थान पर रहने के लिए निदेशक पदक और योग्यता प्रमाणपत्र अरित्रा भट्टाचार्य (सीजीपीए 8.57) को दिया गया
- तीसरे स्थान पर रहने के लिए कार्यक्रम अध्यक्ष का पदक और योग्यता प्रमाण पत्र श्रेयांश मोहंती (सीजीपीए 8.25) को दिया गया
- चौथे स्थान पर रहने के लिए पुस्तक पुरस्कार मृणाल मिश्रा (सीजीपीए 8.14) को दिया गया
- पांचवें स्थान पर रहने के लिए पुस्तक पुरस्कार अमन कुमार (सीजीपीए 7.92) को दिया गया।

कार्यक्रम में आइआइएम के निदेशक ने छात्रों को दी ये सलाह

- कुछ समय और ऊर्जा उन लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में खर्च करें जो कम भाग्यशाली हैं, जब आप दूसरों की मदद करते हैं तो भगवान आपकी मदद करते हैं
- खुश रहने का प्रयास करें, यदि आप काम में अधिक उत्पादक बनना चाहते हैं, तो खुश रहें
- अनुसंधान से पता चला कि खुश कर्मचारी अधिक उत्पादक होते हैं
- प्रायोगिक मानसिकता विकसित करें
- भविष्यवाणी करना असंभव है कि क्या काम करेगा और क्या नहीं, निरंतर प्रयोग आवश्यक है
- आप कुछ नया सीखेंगे और प्रत्येक प्रयोग के साथ अगली चुनौती के लिए अपनी तैयारी में सुधार करेंगे।

एमबीए-कार्यकारी 2021-23 बैच

- प्रथम स्थान पाने के लिए बोर्ड आफ गवर्नर के अध्यक्ष का पदक और योग्यता प्रमाण पत्र रोहित चंद्र सिन्हा (सीजीपीए 9.03) को दिया गया। उनका नाम वर्ष 2023 के लिए संस्थान के आनर रोल में शामिल किया गया है
- दूसरे स्थान पर रहने के लिए निदेशक पदक और योग्यता प्रमाण पत्र दिप्रवा लाकड़ा (सीजीपीए 8.44) को दिया गया
- तीसरे स्थान पर रहने के लिए कार्यक्रम अध्यक्ष का पदक और योग्यता प्रमाण पत्र अदिति मुखर्जी (सीजीपीए 8.25) को दिया गया
- चौथे स्थान पर रहने के लिए पुस्तक पुरस्कार आयुष आनंद (सीजीपीए 8.23) को दिया गया
- पांचवें स्थान पर रहने के लिए पुस्तक पुरस्कार रंकेश कुमार (सीजीपीए 8.1) को दिया गया।
- प्रो. आशीष हजेला मेमोरियल अवार्ड रणनीतिक प्रबंधन पाठ्यक्रम में उच्चतम सीजीपीए हासिल करने के लिए कुणाल जोशी को मिला।

Dainik Jagran_02.07.2023_Pg. 06